अब लो फ्लोर बस का लें मजा

P.K. 26-11-12

■ केंद्र ने राज्य सरकार के प्रस्ताव को दी हरी झंडी

प्रभात रंजन ■ पटना

राजधानी की सड़कों पर जल्द ही आप लो फ्लोर के साथ टाटा स्टैंडर्ड बसों को दौड़ता देखेंगे.

- 320 और सिटी बसों को मिली मंजूरी
- खर्च होंगे 46 करोड़, लगेंगे छह-सात माह
- केंद्र देगा 80 फीसदी राशि

नुरुम योजना के तहत इनकी खरीदारी होगी. इसके अलावा 320 और सिटी बसें खरीदी जायेंगी. साथ ही बोधगया के लिए भी 30 बसें खरीदी जायेंगी. इस योजना का प्रस्ताव वर्षों पहले नगर विकास विभाग ने केंद्रीय शहरी मंत्रालय को भेजा था. इसे मंजूरी मिल गयी है. संभावना है कि छह-सात माह में इसकी प्रक्रिया पूरी ली जायेगी.

राज्य सरकार खर्च करेगी 20% राशि

इस योजना पर 46 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इसमें 80 प्रतिशत राशि केंद्र व 20 प्रतिशत राशि राज्य सरकार खर्च करेगी. विभागीय सूत्रों ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से 46 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है. इसकी उपयोगिता प्रमाणपत्र देने के बाद शेष राशि उपलब्ध करायी जायेगी. केंद्र से राशि मिलने के छह-सात महीनों में बसों की खरीदारी कर ली जायेगी.

बन सकती है एजेंसी

केंद्र ने इस योजना को पूरा कराने के लिए नोडल एजेंसी नगर विकास विभाग को बनाया है. विभाग ने इस योजना को पूरी करने की जिम्मेवारी बुडको को दी है. इस योजना को पूरी करने के लिए बुडको ने प्रक्रिया शुरू कर दी है. हालांकि, बसों का परिचालन और देखरेख कौन करेगा, इसकी जिम्मेवारी तय नहीं की गयी है. लेकिन, नुरुम योजना में एक एजेंसी बनाने का प्रावधान किया गया है, जो इसकी देखरेख करे. संभावना है कि योजना में किये गये प्रावधान के अनुरूप एजेंसी बनायी जाये.

बुडको ने मंगवाया कोटेशन

गांधी मैदान से सगुना मोड़ तक 20 लो फ्लोर बसें चलेंगी. वहीं, तीन सौ 24 व 32 सीटोंवाली टाटा स्टैंडर्ड बसें खरीदी जायेंगी. इसके लिए बुडको टाटा कंपनी से कोटेशन मंगवा कर खरीदारी करने में जुट गया है. बोधगया के लिए छह करोड़ की लागत से 30 टाटा स्टैंडर्ड बसों की खरीदारी होगी.

राजधानी व बोधगया में पब्लिक ट्रांसपोर्ट बेहतर हो, इसके लिए 46 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल गयी है. इसको पूरा करने के लिए टाटा कंपनी से कोटेशन भी मंगवा लिया गया है. वाहन खरीदने की प्रक्रिया में चार-पांच माह लगेंगे.

अनुपम कुमार सुमन
एमडी, बुडको